जलप्रबंधन का सामाजिक–ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य कोशी क्षेत्र के सन्दर्भ में

डॉ0 मो0 रफत परवेज

वैसे तो कोशी क्षेत्र जल के मामले में हमेशा से आत्मनिर्भर रहा है लेकिन कभी–कभी अत्याधिक आत्मनिर्भरता भी नई त्रास्दी को जन्म दे देता है। कोशी क्षेत्र में फैले अकुत जल संपदा का अगर सही प्रबंधन नहीं किया जाता तो आज कोशीवासी पहले की अपेक्षा कोशी की क्रुरता से ज्यादा विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होते। प्राथमिक स्त्रोत जो कि अधिक प्रमाणिक और महत्वपूर्ण होते हैं के आधार पर 20वीं सदी के उत्तरार्द्ध में प्रकाशित समाचार पत्र, बुकलेट समकालीन साहित्यों के आधार पर इसके प्रबंधन की सटीक एक विश्वसनीय जानकारी हमें मिलती है।

1900 से 1987 तक कोशी क्षेत्र में जलप्रबंधन के ऐतिहासिक सर्वेक्षण की करते है तो जल प्रबंधन की समस्याएँ और संभावनाएँ विचारणीय पहलू के रूप में उभर कर सामने आता है।